WEBINAR-'ITIHAS -CELEBRATING 100 YEARS OF HARAPPA'

The World Heritage week celebrations being organized by the Department of History ,Maharaja Bijli Pasi Government PG College, Lucknow began on the 19th of November 2021. A Webinar- 'ITIHAS-CELEBRATING THE 100 YEARS OF HARAPPA' was organized as the inaugural event by Dr Sanobar Haider- Head of the Department of History/Nodal Officer EBSB who has been organizing Heritage Awareness programmes regularly for her students. The guest Mr Vikramjit Singh Rooprai was welcomed by Prof.Dr Suman Gupta,the Principal of the college who also stressed upon the need to understand our heritage and create awareness about its conservation.Mr Vikramjit Singh Rooprai who is a heritage activist and educationist from Delhi addressed the E-Conference which was attended by students, members of the staff and guests. He spoke in detail about the Indus Valley Civilization and how the discovery of Harappa marked the unravelling of the glorious history and culture of India. In his address he threw light on how we must work towards the protection and preservation of our rich heritage both tangible and intangible and the need to learn from the past. The programme was convened and conducted by Dr Sanobar Haider ,who outlined the various programmes which would be organized during the week long celebrations including documentary shows, lectures, competitions and a heritage tour to one of the monuments of the legendary city of Lucknow. The scholarly session ended with a vote of thanks by Dr Haider who emphasized upon the need to perform our fundamental duty of protecting our rich cultural heritage.

# World Heritage Week 2021

# Webinar:'100 Years of Harappa'

***Guest Speaker :***

## Mr Vikramjit Singh Rooprai

***On***

## *19th November* 2021- 5:00 P.M.

Department of History

Maharaja Bijli Pasi Government PG College

Mr Vikramjit Singh Rooprai

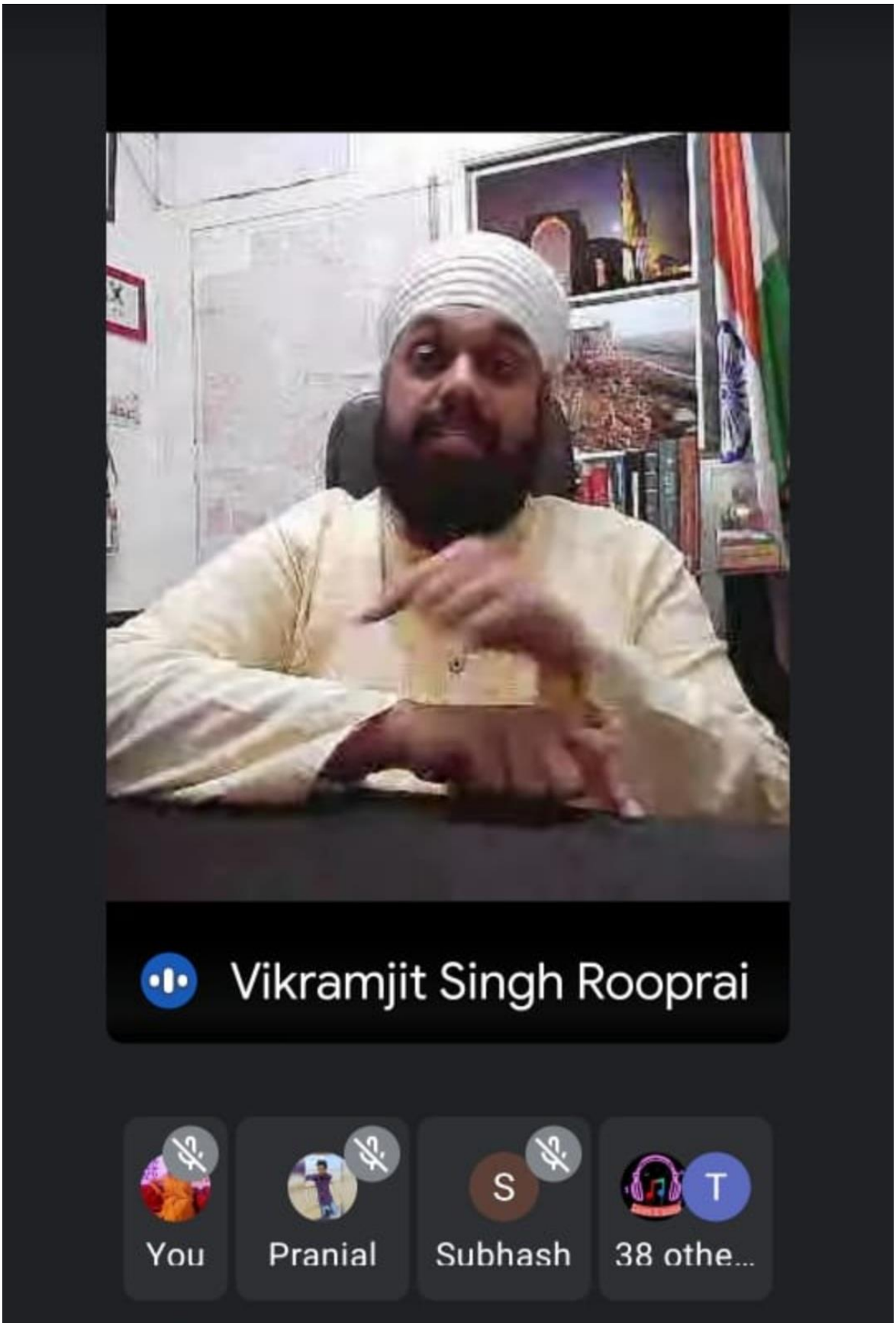
Vikramjit Singh Rooprai
You
Pranial
S
Subhash
T
38 othe...

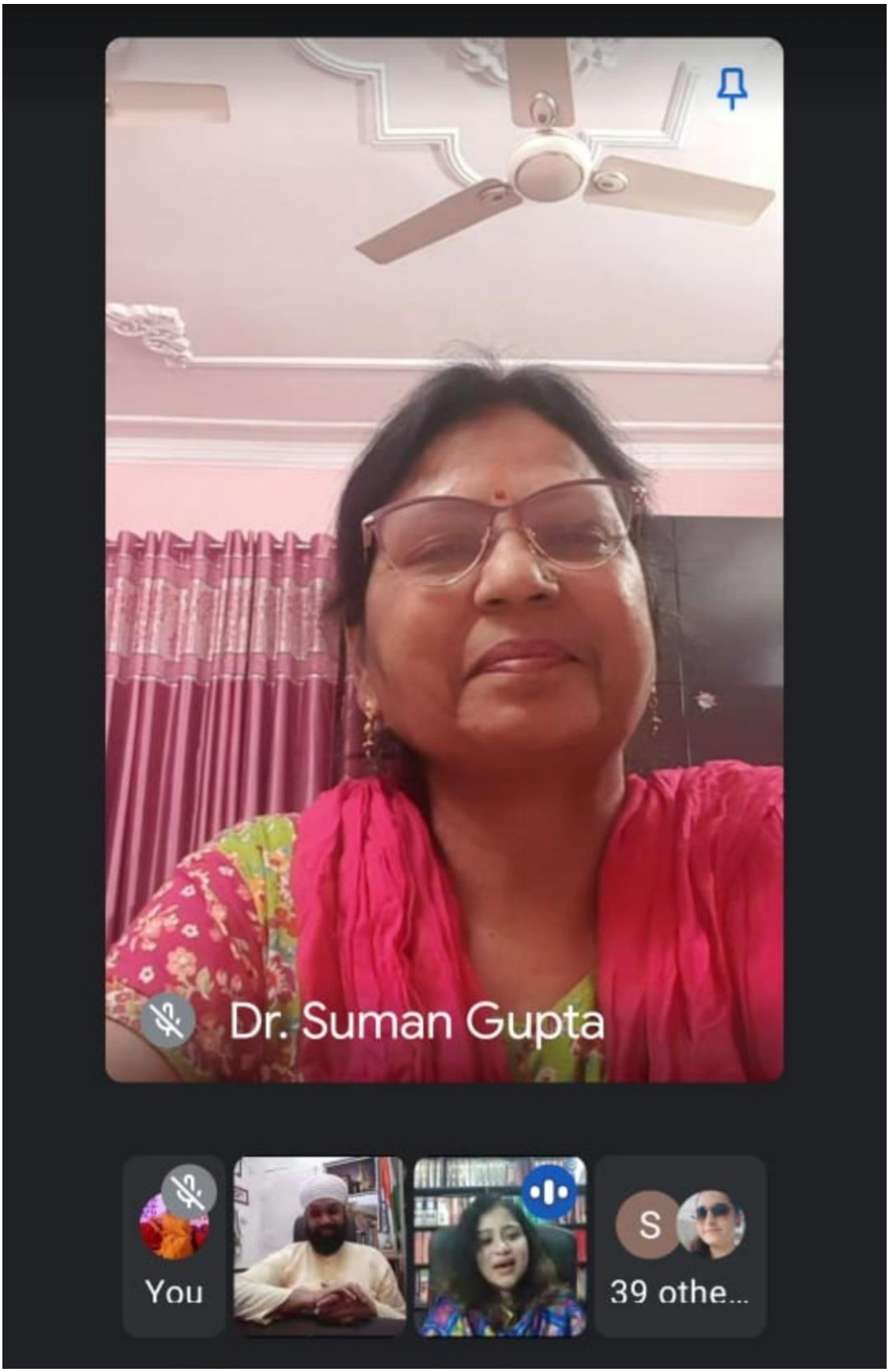
Dr. Suman Gupta
You
S
39 othe...

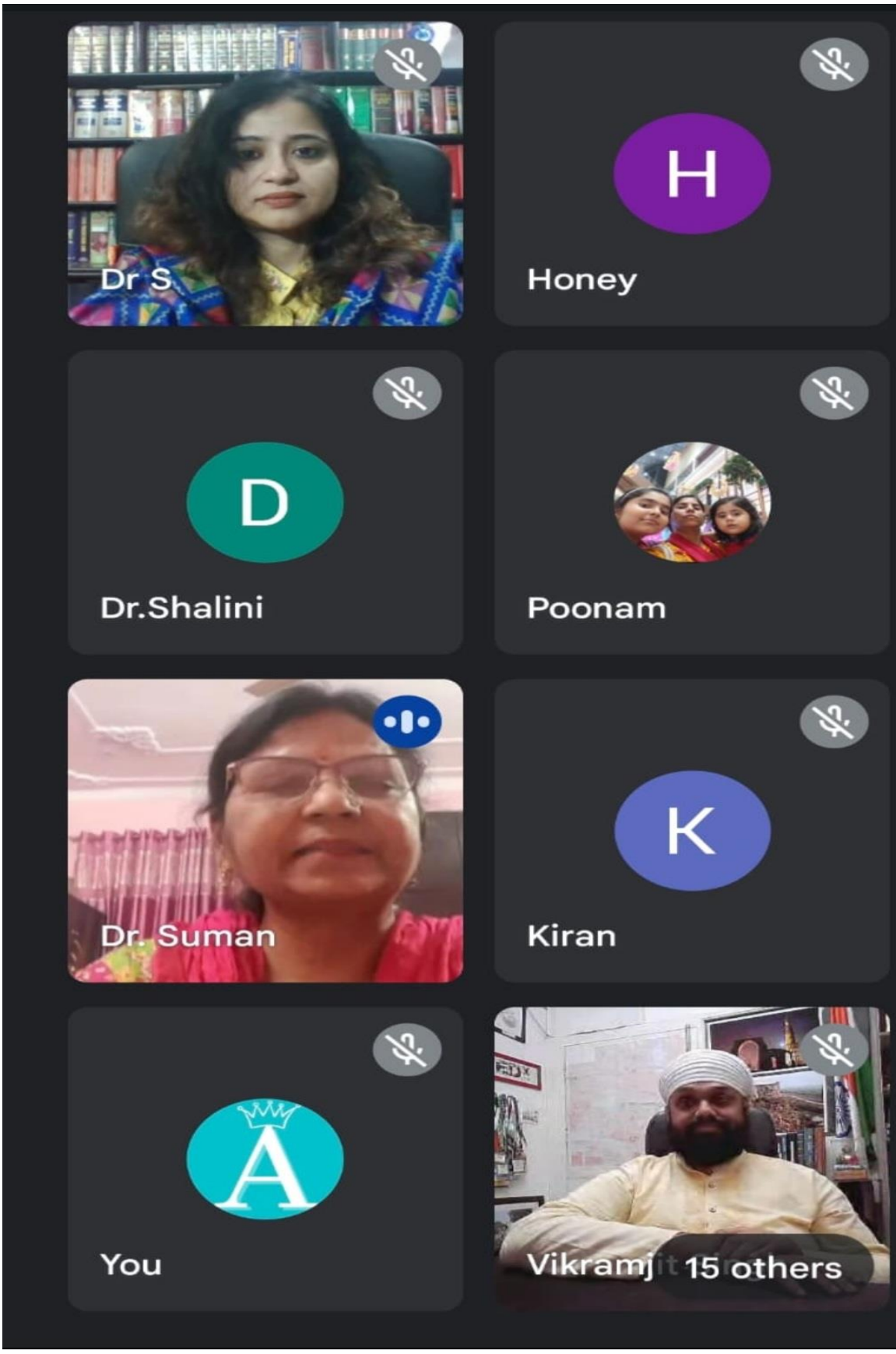
Dr S
H
Honey
D
Dr.Shalini
Poonam
Dr. Suman
K
Kiran
A
You
Vikramj
15 others

MEDIA COVERAGE

# इतिहास-हड़प्पा के 100 वर्ष के विषय पर वेबिनार का सफल आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय,लखनऊ के इतिहास विभाग,लखनऊ द्वारा आयोजित विश्व विरासत सप्ताह समारोह के तत्वावधान में वेबिनार 19 नवंबर 2021 को सम्पन्न हुआ। डॉ. सनोबर हैदर- विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, जो महाविद्यालय के छात्रों को इतिहास, विरासत, संस्कृति एवं इन मूल्यों को जागरूक करने लिए नियमित रूप से विरासत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रही हैं, के द्वारा इस वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार के मुख्य वक्ता एवं अतिथि सुविख्यात इतिहासविद श्री विक्रमजीत सिंह रूपराय (नई दिल्ली) का स्वागत कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ सुमन गुप्ता ने किया, जिन्होंने हमारी विरासत को समझने और इसके संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा



करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। श्री विक्रमजीत सिंह रूपराय, जो एक सांस्कृतिक विरासत कार्यकर्ता और दिल्ली के शिक्षाविद है, के द्वारा ई-सम्मेलन को संबोधित किया जिसमें छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षक/ शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया।

श्री रूपराय ने सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में विस्तार से बात करते हुए हड़प्पा की खोज ने भारत के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को कैसे उजागर किया। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि हमें अपनी समृद्ध विरासत के संरक्षण और संरक्षण की दिशा में कैसे काम करना चाहिए, दोनों मूर्त और अमूर्त और अतीत से सीखने की जरूरत है। कार्यक्रम डॉ सनोबर हैदर द्वारा आयोजित और संचालित किया गया था, जिन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की थी। विश्व विरासत सप्ताह में सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजान किया जाएगा जिसमें वृत्तचित्र शो, व्याख्यान, प्रतियोगिताएं और लखनऊ के पौराणिक शहर की चुनिंदा पुरातात्विक स्मारकों की विरासत यात्रा शामिल है। वेबिनार का सत्र डॉ. हैदर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ जिन्होंने हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के हमारे मौलिक कर्तव्य को निभाने की आवश्यकता पर बल दिया।

CMYK

# 'تاریخ-ہڑپا کے صد سال' کے عنوان پر ویبی نار کا انعقاد

لکھنؤ۔ مہارانی بجلی پاشی گورنمنٹ کالج لکھنؤ کے شعبہ تاریخ کے ذریعہ منعقدہ عالمی وراثت ہفتہ تقریب کے زیر اہتمام ویبی نار آج ہوا۔ ڈاکٹر صنوبر حیدر صدر شعبہ تاریخ جو کالج کے طلباء کو تاریخ، وراثت، ثقافت و ان اقدار کو بیدار کرنے کیلئے مستقل طور سے وراثت بیداری پروگرام انعقاد کرتی رہی ہیں، کے ذریعہ اس ویبی نار کا انعقاد کیا گیا۔ ویبی نار کے مقررِ خاص اور مشہور مہمان ماہر تاریخ وکرم جیت سنگھ روپ رائے نئی دہلی کا خیر مقدم کالج کے پرنسپل پروفیسر ڈاکٹر سمن گپتا نے کیا۔ جنہوں نے ہماری وراثت کو سمجھنے اور اس کے تحفظ کے بارے میں بیداری پیدا کرنے کی ضرورت پر بھی زور دیا۔ مسٹر روپ رائے جو ایک ثقافتی وراثت

کارکن اور دہلی کے ماہر تعلیم ہیں، کے ذریعہ ای-سمّیلن کو خطاب کیا جس میں طلباء، ملازمین واساتذہ نے شرکت کی۔ مسٹر روپ رائے نے وادی سندھ تہذیب کے بارے میں تفصیل سے بات کریت ہوئے ہڑپا کی کھوج نے بھارت کے فاخرانہ تاریخ اور ثقافت کو کیسے اُجاگر کیا۔ اپنے خطاب میں انہوں نے اس بات پر روشنی ڈالی کہ ہمیں اپنی خوشحال وراثت کے تحفظ اور اس کی سمت میں کیسے کام کرنا چاہئے دونوں حتمی و غیر حتمی اور قدیم سے سیکھنے کی ضرورت ہے۔ پروگرام ڈاکٹر صنوبر حیدر کے ذریعہ منعقد اور نظامت کیا گیا تھا، جنہوں نے مختلف پروگراموں کا خاکہ تیار کیا تھا۔ عالمی وراثت ہفتہ میں ہفتہ بھر مختلف پروگراموں کا انعقاد کیا جائے گا جس میں تصاویر شو، لیکچر، مقابلے اور لکھنؤ کے قدیم شہر کی چنندہ یادگاروں کی وراثت یاترا شامل ہیں۔ ویبی نار کا اجلاس ڈاکٹر حیدر کے شکریہ ادا کرنے کے ساتھ اختتام پذیر ہوا جنہوں نے ہماری خوشحال ثقافتی وراثت کی حفاظت کے ہمارے بنیادی فرائض کو نبھانے کی ضرورت پر زور دیا۔

# हड़प्पा के इतिहास 100 वर्ष के विषय पर वेबीनार

**लखनऊ।** राजधानी के महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय,लखनऊ के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित विश्व विरासत सप्ताह समारोह के तत्वावधान में वेबीनार का आयोजन किया गया। डॉ.सनोबर हैदर विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग जो महाविद्यालय के छात्रों को इतिहास, विरासत, संस्कृति एवं इन मूल्यों को जागरूक करने लिए नियमित रूप से विरासत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वेबीनार के मुख्य वक्ता एवं अतिथि सुविख्यात इतिहासविद विक्रमजीत सिंह रूपराय नई दिल्ली का स्वागत कॉलेज के प्राचार्य प्रो.डॉ सुमन गुप्ता ने किया। जिन्होंने हमारी विरासत को समझने और इसके संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। विक्रमजीत सिंह एक सांस्कृतिक विरासत कार्यकर्ता और दिल्ली के शिक्षाविद हैं।श्री रूपराय ने सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में विस्तार से बात करते हुये हड़प्पा की खोज ने भारत के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को कैसे उजागर किया। कार्यक्रम डॉ सनोबर हैदर द्वारा आयोजित और संचालित किया गया था, जिन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की थी। विश्व विरासत सप्ताह में सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजान किया जाएगा। जिसमें वृत्तचित्र शो व्याख्यान प्रतियोगिताएं और लखनऊ के पौराणिक शहर की चुनिंदा पुरातात्विक स्मारकों की विरासत यात्रा शामिल है।